पीडब्ल्यूआर एक

पीआर नंबर 64794

कैंपेन ऑक्शनर एक रेंडर्स

संपादक– य ह विज्ञप्ति आपको एशियानेट के साथ संपन्न हुई व्यवस्था के तहत प्रेषित की जा रही है। पीटीआई पर इसका कोई संपादकीय उत्तरदायित्व नहीं है।

बमबारी के बाद अपनी तरह की नई मर्सिडीज का अवतार

रेंडर्स, डेनमार्क, 15 जून, 2016, पीआरन्यूजवायर– एशियानेट।

क्लासिक कारों के दुर्लभ उदाहरण ही होंगे जिनके लिए खरीदारों की ओर से व्यापक दिलचस्पी दिखाई गई होगी और नियमित रूप से बिक्री मूल्य के रिकॉर्ड टूट रहे होंगे। लॉरिज लॉरित्जेन इसी तरह की एक कार 1938 की मर्सिडीज–बेंज, कैब्रियोलेट टाइप बी, मॉडल 320 के मालिक हैं जो मैनहेम मर्सिडीज–बेंज में निर्मित विश्व की एकमात्र कार है। लॉरिज इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि 26 जून को डेनमार्क में जब इस पर हथोड़ा चलाया जाएगा तो उन्हें इसकी कितनी कीमत मिलेगी। मर्सिडीज जर्मन ब्रांड के शीर्ष का प्रतिनिधित्व करती है और उस समय तक सिर्फ 34 कारें बनाईगई थीं।

मल्टीमीडिया समाचार विज्ञप्ति देखने के लिए कृपया क्लिक करें:

http://www.multivu.com/players/uk/7861151-mercedes-resurrected-after-bomb-attack

1938 की यह कार कहीं ज्यादा स्पेशल है क्योंकि यह ''मैनहेम''–कार की रेंज में शीर्ष पर है और हर उस चीज से लैस है जो मर्सिडीज सोच सकती है। अपने समय में यह संभवतः विश्व की सर्वश्रेष्ठ कारों में से एक थी। आज यह खुद को उसी मुताबिक प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी एकमात्र वजह यह है कि इसके उत्साही मालिक ने इस पर हजारों घंटे खर्च किए हैं। लॉरिज लॉरित्जेन ने इस कार को बिल्कुल जर्जर अवस्था में सन 1980 में एक बाड़े में पाया था और मर्सिडीज के इस कुशल मेकेनिक ने इसे अपनी पूर्ववर्ती चमक में लाने की चुनौती स्वीकार की थी। ग्यारह साल बाद यह कार फिर से चलने लगी।

तब से इसका मालिक पूरे यूरोप में घूमने के लिए इसका इस्तेमाल करता रहा और मर्सिडीज–बेंज में भी इसकी सराहना हो चुकी है। फैक्टरी की 125वीं सालगिरह के लिए इस कार और इसके मालिक को बर्लिन आमंत्रित किया

गया है और अब तक की दस सबसे खूबसूरत मर्सिडीज कारों की प्रदर्शनी में इसे शामिल किया गया है।

कहीं भी यह कार खौफ पैदा करती हैः नाजी रेनहार्ड हेड्रिच द्वारा सन 1942 में लगभग हर जगह प्राग्वे में की गई बमबारी का शिकार यह मर्सिडीज भी हुई थी। लॉरिज लॉरित्जेन ने जब छानबीन की तोमालूम हुआ कि हेड्रिच मैनहेम से एक स्पेशल एडिशन चलाकर लाया था, ठीक उसी तरह जिस तरह लॉरित्जेन की कार थी। यह सच्चाई उसकी कार को नई जिंदगी मिलने के ठीक पहले हुए गंभीर नुकसान से स्पष्ट हो रही थी–पिछले हिस्से में बम से विस्फोट होने के निशान थे। इससे लॉरित्जेन इस नतीजे पर पहुंचे कि उनकी कार का मालिक कुख्यात नाजी ही था।

इसके मालिक का कहना है, "कार की इसमें कोई गलती नहीं है" और उन्होंने अपने कष्टकारी अतीत के बावजूद 36 वर्षों तक इस कार को बड़े जतन से सजाया–संवारा। इस कार के साथ कई और सकारात्मक कहानियां जुड़ी हैं, मसलन सन 1996 में इसे अभिनेता मैक्स वोन सिडो अभिनीत फिल्म ''हैमसन'' में शामिल किया गया था। कार को देखने के बाद चरित्र अभिनेता ने आश्चर्य भाव से कहा था, "इसके सामने मैं एक्स्ट्रा कलाकार हूं।"

लॉरिज लॉरित्जेन के पास अपनी तरह की अलग इस मर्सिडीज की सिर्फ खुशनुमा यादें हैं जो अभी भी टॉप फॉर्म में है, वह महसूस करते हैं कि इस कार की कहानी का अगला अध्याय शुरू करने का यह सही वक्त है।

यह आकर्षक कार 26 जून को कैंपेन ऑक्शंस में देखने को मिलेगी। नीलामी करने वाली कंपनी फिन कैंपेन इस विशिष्ट मर्सिडीज में व्यापक अंतरराष्ट्रीय दिलचस्पी की रिपोर्ट पहले ही दे चुकी है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया मालिक से संपर्क करेंhttp://lauritzlauritzen.com या

एनेटी केजर,

कैंपेन ऑक्शनर ए–एस,

पीआर एंड मार्केटिंग मैनेजर,

45 22 543 543,

pr@campenauktioner.dk

स्रोतः कैंपेन ऑक्शनर ए–एस

पीआरन्यूजवायर– एशियानेटः रंजन